



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 331] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 15, 1990/ज्येष्ठ 25, 1912
No. 331] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 15, 1990/JYAISTHA 25, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

श्रम मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 जून, 1990

का. आ. 486 (अ).—केन्द्रीय सरकार ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) के उपखण्ड (i) के अनुसरण में, श्रम मंत्रालय की तारीख 13 जून, 1988 को सरकारी अधिसूचना संख्या का. आ. 565 (अ) के तहत खनिज तेल (अपरिष्कृत तेल), मोटर और विमानन स्प्रिट, डीजल तेल, मिट्टी का तेल ईंधन तेल, विविध हाइड्रोकार्बन तेल और उनके सम्मिश्रणों, जिनके अन्तर्गत सशिलपट ईंधन, स्नेहक तेल और इसी

प्रकार की वस्तुएं आती हैं, के विनिर्माण और उत्पादन में लगे उद्योग को जिसे इसके बाद उद्योग कहा गया है, उक्त उपखण्ड के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट किया गया था, जिसे औद्योगिक (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 2 के अधीन 21 जून, 1988 से दो वर्ष की अवधि के लिए नियंत्रण उद्योग के रूप में घोषित किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि जतनित में यह आवश्यक है कि उक्त उद्योग को और दो वर्ष की अवधि तक नियंत्रित उद्योग के रूप में विनिर्दिष्ट करना जारी रखा जाये;

अतः अब, प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (क) के उपखण्ड (i) के अनुसरण में, के केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को 21 जून, 1990 से और दो वर्ष की अवधि के लिए नियंत्रित उद्योग के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-11025/23/83-डी I(ए)]

जी० एस० लोबाना, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th June, 1990

S.O. 486(E).—Whereas by Government Notification in the Ministry of Labour No. S.O. 565(E), dated the 13th June, 1988, the Central Government had in pursuance of sub-clause (i) of Clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), specified for the purposes of that sub-clause, the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil), motor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like (hereinafter referred to as the said industry) which had been declared as a controlled industry under section 2 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of two years from the 21st June, 1988 ;

And whereas the Central Government is of the opinion that in the public interest it is necessary that the said industry be continued to be specified as the controlled industry for a further period of two years;

Now, therefore, in pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby specifies, for a further period of two years from the 21st June, 1990, the said industry as the controlled industry.

[F. No. S-11025/23/83-D, I(A)]

G. S. LOBANA, Jt. Secy.